

चार वर्षों में वन ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी : योगी

यूपी के स्थापना दिवस समारोह में रखा विकास का रोडमैप, छह को यूपी गौरव सम्मान

■ NBT रिपोर्ट, लखनऊ

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि 2016-17 में उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था 12 लाख करोड़ रुपये की थी, जो अब 27 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गई है। अगले 4 वर्ष के अंदर पीएम के विजन के अनुरूप यूपी वन ट्रिलियन डॉलर के इकॉनमी के रूप में अपने आप को स्थापित करेगा। आध्यात्मिक विरासत को सहेजते हुए यूपी देश के सर्वश्रेष्ठ टूरिज्म डेस्टिनेशन के रूप में उभरा है। वहीं, बेहतर कानून व्यवस्था ने इसे निवेश का बेहतरीन गंतव्य बनाया गया है।

योगी शुक्रवार को अवध शिल्प ग्राम में यूपी के स्थापना दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के 'जिरो पावटी' लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रदेश में सर्वेक्षण चल रहा है। हमारा प्रयास है कि अगले वर्ष जब हम यूपी दिवस मनाएं, तब हर गरीब के पास सिर छिपाने के लिए छत हो, जमीन का पट्टा हो, आयुष्मान कार्ड और पेंशन जैसी सभी सुविधाएं उपलब्ध हों। हम जाति, भाषा या क्षेत्र के भेदभाव से ऊपर उठकर हर गरीब और वंचित को उनका हक दिलाने के लिए प्रतिवद्ध हैं।

स्थापना दिवस पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, पीएम नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, यूपी में इस आयोजन की जमीन तैयार करने वाले पूर्व राज्यपाल राम नाईक सहित कई नेताओं ने सोशल मीडिया पर बधाई दी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारतीय संस्कृति में अर्न्तगुहित प्राचीन और ऐतिहासिक कालखंडों की साक्षी रही यह पावन धरती पिछले आठ वर्षों से विकास के नित नए अध्याय रचने में जुटी है।



यूपी के स्थापना दिवस पर मुख्यमंत्री ने युवा उद्यमी योजना का शुभारंभ किया।

इनको मिला पुरस्कार

- **यूपी गौरव** : कृष्णकांत शुक्ल (वाराणसी), हिमाशु गुप्ता (कुंदावन), मनीष वर्मा (कानपुर), कृष्णा यादव (बुलंदशहर), कर्नल सुभाष देशवाल (बुलंदशहर), डॉ. जय सिंह (बहराइच)।
- **हस्तशिल्प पुरस्कार** : निशा देवी (वाराणसी), जितेंद्र कुमार (गोरखपुर)।
- **एमएसएमई उद्यमी पुरस्कार** : शिशिर अस्थाना (आगरा)।
- **सूक्ष्म उद्यमी पुरस्कार** : पवन (गाजियाबाद)।
- **सत कवीर पुरस्कार** : रजोउल हसन (गोरखपुर), अभिका कुशवाहा (वाराणसी)।

मंच पर जीवंत हुई सांस्कृतिक आभा

लोक गायिका मालिनी अत्रस्थी की अगुआई में लगभग



दिल्ली। जनजातीय समूहों ने भी नृत्य प्रस्तुत किया।

आधे घंटे की संगीत संगम नृत्य नाटिका की प्रस्तुति हुई, जिसमें यूपी की विभिन्न गायन व नृत्य विधा को समाहित किया गया था। महकुम, अयोध्या, ब्रज से कुंदेलखंड तक की झलक



समारोह में ब्रज की होली का भी मंचन किया गया।

परिवर्तन चमत्कारी, विकास अकल्पनीय : धनखड़

आयोजन के खास मेहमान उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि यूपी में हुआ परिवर्तन चमत्कारी और विकास अकल्पनीय है। एक जमाना था यूपी की पहचान कानून-व्यवस्था की निंता से होती थी। योगी ने इसे सुधारन वाले प्रदेश की चमत्कारी पहचान दी। इसकी चर्चा देश-विदेश में है। उन्होंने बुटकी तेते

हुए कहा कि केवल एक मामले में मुख्यमंत्री 'देवी' हैं। वह ये कि यूपी में अपराध के मामले में गति कम हो गई है। अपराध पर कुजबूत का संदेश पूरे देश में गया है। प्रयागराज महकुम देख पूरी दुनिया आश्चर्यचकित है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि 1 फरवरी को वह भी पूरे परिवार के साथ कुंम में स्नान करेंगे।

परंपरा-विकास के प्रति आस्था का उत्सव : आनंदीबेन

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि यूपी दिवस एक तारीख नहीं बल्कि हमारी सांस्कृतिक परंपरा व विकास के प्रति आस्था का उत्सव है। यह न केवल हमारे अतीत के गौरव को संजोता है बल्कि भविष्य के प्रति हमारी विकास की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। हमारा प्रदेश इस संकल्प को लेकर एकमत व एकजुट है।

प्रथम विकास की अविरल धारा के साथ डिजिटल युग में प्रवेश कर रहा है। जो भी महकुम में शामिल हो तो एकता के भावना के साथ शामिल हो और यही भावना लेकर जाए। मंच पर उपराष्ट्रपति की पत्नी सुदेश धनखड़, एमएसएमई मंत्री राकेश साना, पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह, राज्यसभा सांसद दिनेश शर्मा भी मौजूद रहे।

ट्रंप सोचकर यूपी आना, कहीं तिवारी ना बना दें...

■ **NBT रिपोर्ट, लखनऊ** : अवध शिल्पग्राम में यूपी दिवस के मौके पर सांस्कृतिक संस्था में कवि सम्मेलन और बैड की धार्मिक प्रस्तुति देखने को मिली। हस्य कवि शंभू शिखर ने ट्रंप के चुनाव जीतने पर बुटकी तेते हुए कहा कि, भारत आकर लावू से ना मिलना, कहीं तिवारी ना बना दे, जनता काई की भिखारी ना बना दे, यूपी तो पूरी तरह सेव समझकर आना, कहीं योगी जो तुमको ट्रंप से बिचारी ना बना दे। हस्य कवि पद्मश्री सुरेंद्र शर्मा ने जाति और वर्ण व्यवस्था पर जमकर हमला बेला। डॉ. विष्णु सक्सेना और स्वयं श्रीवस्तव ने अपनी प्रेम कविताओं से समा बांध दिया। स्वयं श्रीवस्तव ने मन की बात मिले ना मिले... जैसी भावपूर्ण कविताओं से लोगों को भावुक कर दिया।

■ **राम आएं...** से झुमाया : माधवाज गुप बैड ने धार्मिक प्रस्तुति दी तो दर्शक झूम उठे। राम आएं... से जैसे ही परफॉर्मेंस दी तो दर्शक कुर्रिंशों से उठकर डांस करने लगे। देर तक तक बैड की प्रस्तुति देखने के लिए लोग उमड़े रहे।

{ U.P. DIWAS }

Yogi announces interest-free loans for youth entrepreneurs

At Uttar Pradesh Day celebrations, Adityanath says state committed to achieving zero poverty goal, launches CM Yuva scheme portal

HT Correspondent

letters@hindustantimes.com

LUCKNOW: Chief minister Yogi Adityanath on Friday said Uttar Pradesh would become a USD 1 trillion economy within the next four years and the state is committed to achieving the zero poverty goal.

He made the remarks in his address during the Uttar Pradesh Day celebrations at Awadh Shilpgram held to mark the 76th foundation day of U.P.

Adityanath also launched the Chief Minister Youth Entrepreneur Development (CM Yuva) scheme e-portal and distributed loans and sanction letters to 25,000 youth entrepreneurs. He announced that the scheme would support up to one lakh



CM Yogi Adityanath welcomes Vice President Jagdeep Dhankhar at Chaudhary Charan Singh Airport and a cultural performance at Awadh Shilpgram to mark UP Diwas



HT

young people annually, providing interest-free loans of Rs 5 lakh in the first phase and Rs 10 lakh in the second phase to help them establish their businesses.

Vice President Jagdeep Dhankhar inaugurated the event. Governor Anandiben Patel was also present.

The chief minister also pointed to the state's economic progress.

"In 2016-17, Uttar Pradesh's economy was Rs 12 lakh crore; today, it exceeds Rs 27 lakh crore. Within the next four

years, Uttar Pradesh will become a USD 1 trillion economy," he said.

"By next year's Uttar Pradesh Day, we aim to ensure that every poor individual has a roof over their head, land rights, Ayushman cards, pension and other benefits," he said.

He also highlighted the growing significance of Uttar Pradesh as a tourism hub, driven by improved law and order, the development of expressways, airports, the metro network, and the state's rich spiritual heritage.

Highlighting the journey of Uttar Pradesh, he said that the region was initially part of Fort William (West Bengal) between 1775 and 1833. It was then separated in 1834 to form the Agra Presidency and renamed the North-Western Provinces in 1836. In 1902, it became the North-Western Provinces and Oudh, later referred to as United Provinces in 1937. Finally, on January 24, 1950, the state was renamed Uttar Pradesh.

"Today, Uttar Pradesh symbolises unlimited potential," he

stated, highlighting the significance of the state in India's growth.

Additionally, six individuals were honoured with the Uttar Pradesh Gaurav Samman for their contributions to the state.

Adityanath expressed his pride in Uttar Pradesh's prosperity and said, "Uttar Pradesh Day celebrates the state's prosperity and pride." He also extended his heartfelt congratulations to the people of Uttar Pradesh on the occasion of the state's 76th foundation day.

Earlier in the day, in his post on X, Adityanath referred to Uttar Pradesh as the land blessed by revered figures such as Lord Ram, Lord Krishna and Baba Vishwanath.

"Under the guidance of Hon'ble Prime Minister Narendra Modi, the 'growth engine' of New India, New Uttar Pradesh, is setting new benchmarks," he said.

"Let us all come together and resolve to make Uttar Pradesh a 'developed and self-reliant state,'" he added.